पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.10.2016 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन
एवम्
251 कुण्डीय विराट् यज्ञ
दिनांक 27, 28, 29 जनवरी 2017
उत्सव ग्राउण्ड, कड़कड़डूमा, पूर्वी दिल्ली
अपने पधारने की सूचना शीघ्र देंवे
सम्पर्क: महेन्द्र भाई–011.22328595
यशोवीर आर्य–9312223472
रामकुमार सिंह–9868064422

वर्ष-33 अंक-11 कार्तिक-2073 दयानन्दाब्द 192 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2016 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.10.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आत्म शुद्धि आश्रम बहादुरगढ, हरियाणा का वार्षिक उत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न

आज राष्ट्रवाद और अलगाववाद के बीच एक को चुनना होगा -डा.अनिल आर्य

परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य का शाल व स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन करते स्वामी धर्ममुनि जी,आचार्य चांदसिंह आर्य,आचार्य शिवनारायण शास्त्री,धर्मपाल आर्य आदि व द्वितीय चित्र–डा.अनिल आर्य के साथ आर्य केन्द्रीय सभा गुरूग्राम के प्रधान श्री लक्ष्मण पाहुजा,चन्द्रपकाश गुप्ता आदि।

रविवार, 2 अक्तुबर 2016, हरियाणा के सुप्रसिद्वतीर्थ स्थल आत्म शुद्धि आश्रम,बहादुरगढ़ का वार्षिक उत्सव आर्य नेता श्री लक्ष्मण पाहुजा की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुआ। स्वामी धर्ममुनि जी के प्रेरक प्रवचन हुए। परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि आज देश में राष्ट्रवाद व अलगाववाद के बीच एक अघोषित युद्वचल रहा है, महर्षि दयानन्द के अनुयायी इस घड़ी में मौन नहीं रह सकते क्योंकि आर्य समाज ने देश के स्वतन्त्रता आन्दोलन में अनकों बलिदान दिए हैं।

महर्षि दयानन्द के प्रत्येक सिपाही का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रवादी शक्तियों का साथ दे और विघटनकारी लोगों का हर स्तर पर विरोध करे। इस अवसर पर आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री, श्री खुशीराम शर्मा, श्री चांदसिंह आर्य के उद्बोधन हुए। श्री पदमसिंह आर्य (गुरूग्राम), श्री प्रभुदयाल चौटानी, धर्मपाल आर्य, अरूण आर्य, रोहित आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। श्री राजवीर आर्य ने कुशल संचालन किया। सभी के लिये प्रीतिभोज का सुन्दर प्रबन्ध किया गया।

आर्य पार्षद श्री यशपाल आर्य का ''अमृत महोत्सव'' यज्ञ के साथ सोल्लास सम्पन्न

श्रीमती मोहिनी देवी व यशपाल आर्य का स्वागत करते डा.अनिल आर्य,चन्द्रशेखर शास्त्री,राजपाल पुलियानी,शकुन्तला आर्या,सुरेश गांधी,बलदेवराज आर्य,दिनेश आर्य व धर्मपाल आर्य। द्वितीय चित्र–डा.अनिल आर्य का शाल से स्वागत करते पार्षद यशपाल आर्य व सुरेश गांधी।

रविवार, 2 अक्तुबर 2016, दिल्ली महावीर नगर के पार्षद व समर्पित व्यक्तित्व श्री यशपाल आर्य के 75 वें जन्मोत्सव पर भव्य कार्यकम आयोजित किया गया। आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने यज्ञ करवाया व आचार्य आर्य नरेश के प्रवचन हुए। परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य,धर्मपाल आर्य,अरूण आर्य ने पंहुच कर बधाई व शुभकामनायें प्रदान की। महापौर डा. संजीव नैय्यर, रमेश प्रकाश जी, एस.एन.डंग, शिवकुमार मदान, आर.के.दुआ, सुरेन्द्र बुद्विराजा, अजय तनेजा, राजपाल पुलियानी, बलदेवराज आर्य, महाशय रामचन्द्र आर्य(गुरूग्राम), विक्रम नरूला आदि गणमान्य व्यक्तियों ने पधार कर अपनी शुभकामनायें प्रदान की। नरेन्द्र आर्य व दिनेश आर्य के संयोजन में हजारों लोगों ने प्रीतिभोज का आनन्द लिया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में 133 वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस
के उपलक्ष्य में भव्य संगीत संध्या ''एक शाम ऋषि दयानन्द के नाम''

''सोमवार, 31 अक्तूबर 2016, सायं 4.00 से रात्री 8.00 बजे तक, स्थानः दिल्ली हाट, पीतमपुरा,दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन नेताजी सुभाष पैलेस) 11 कुण्डीय यज्ञ : ब्रह्मा आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज, **मधुर संगीतः** सुकृति व अविरल माथुर– अकिंत उपाध्याय, **मुख्य अतिथिः** श्री प्रवेश साहिब सिंह (सांसद)। सभी आर्य जनों से अनुरोध है कि सार्वजनिक स्थान पर आयोजित इस भव्य कार्यकम में सपरिवार समय पर पंहुच कर देव दयानन्द को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करें।

दर्शनाभिलाषीः–

प्रदीप तायल	**डा .अनिल आर्य**	**महेन्द्र भाई**	**धर्मपाल आर्य**
समारोह अध्यक्ष	राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामन्त्री	काषाध्यक्ष

'विजया-दशमी अतीत के वैदिक धर्मी भारतीय वीरों की शौर्य गाथाओं के कीर्तन व देश की सुरक्षा के उपाय करने का पर्व'

-मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

आज 11 अक्तूबर, 2016 को विजयादशमी व दशहरे का पर्व देश भर में मनाया जा रहा है। विजयादशमी का दिन श्री रामचन्द्र जी द्वारा आसुरी शक्तियों के प्रतीक राक्षस राज रावण को युद्ध में पराजित कर उसका वध करने और वहां विभीषण के नेतृत्व में सुशासन स्थापित कर 14 वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने से भी जोड़ा जाता है। हमें लगता है कि यदि रामचन्द्र जी द्वारा इस दिन रावण के वध विषयक ऐतिहासिक प्रमाण न भी मिलें तो भी इस पर्व पर श्री रामचन्द्र जी, बाली, हनुमान जी, अंगद, श्री कृष्ण व अन्य भीष्म, युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, कर्ण सहित चाणक्य व चन्द्रगुप्त मौर्य आदि का स्मरण कर अपने अन्दर उनके जैसी वीरता और शौर्य को जाग्रत करने के पर्व के रुप में इस दिवस को मनाना अनुचित नहीं अपितु सार्थक एवं लाभकारी होने के साथ आवश्यक भी है। हम तो यह भी अनुभव करते हैं कि आज के दिन हमें अंग्रेजों की गुलामी के शासन में भारत के वीर शहीदों व स्वतन्त्रता सेनानियों सहित नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, महर्षि दयानन्द, श्यामजी कृष्ण वर्मा, वीर सावरकर, पं. राम प्रसाद बिस्मिल, शहीद चन्द्र शेखर आजाद, शहीद भगत सिंह सहित आजादी के बाद चीन व पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध में भारत माता के लिए शहीद सभी सैनिकों व वीरों को जिन्होंने हमें पाकिस्तान के विरुद्ध सन् 1965, 1971 तथा कारगिल युद्ध सहित विगत दिनों पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हमारे सैनिकों के सर्जिकल स्ट्राइक कारनामें को स्मरण कर उन्हें भी श्रद्धांजलि दी जानी चाहिये। तभी भारत की युवा पीढ़ी को देशहित व कर्तव्य का बोध हो सकता है और आने वाले समय में देश की एकता व अखण्डता की रक्षा के लिए हम समर्थ व शत्रुओं का समूल नाश करने में सक्षम हो सकते हैं। देश के शत्रुओं के प्रति दया और अंहिसा की नीति का त्याग कर उन्हें कुचलने की नीति बनाने पर विचार करना भी हमें आज प्रासंगिक एवं आवश्यक प्रतीत होता है। इसके कारण हमने अभी तक अपने सैनिकों को शहीद करते रहकर भारी हानि उठाई है। अब इसका भविष्य के लिए अन्त हो जाना चाहिये और देश के शत्रुओं के विरुद्ध यथायोग्य का व्यवहार व प्रथम प्रहार का निर्णय करना चाहिये। आज हमारे शत्रु देश से बाहर ही नहीं अपितु देश के अन्दर भी अनेकों हैं जिन्हें हमें परास्त कर भारत को उच्च नैतिक व उत्तम वैदिक मूल्यों के अनुसार संसार का आदर्श राष्ट्र बनाना है जो तभी बन सकता है जब हम देश के प्रत्येक उस व्यक्ति को स्मरण कर अपने श्रद्धा सुमन अपित करें जिन्होंने इस देश की धर्म व संस्कृति की रक्षा के साथ इसकी भौगोलिक सीमाओं की रक्षा के लिए भी अच्छे कार्य करने के साथ कष्ट सहकर बलिदान दिये हैं।

देश की धर्म व संस्कृति सहित इसकी अखण्डता की रक्षा व देशवासियों में परस्पर एकता स्थापित करने में आर्यसमाज की स्थापना व इसके कार्यों का भी महान योगदान है। इनका भी आज के दिन स्मरण किया जाना चाहिये। यदि महर्षि दयानन्द ने आर्यसमाज की स्थापना कर वैदिक धर्म व संस्कृति का प्रचार व प्रसार न किया होता तो हमें सन्देह है कि यह देश आज जिस रूप में है इसका वह रूप न होता। हम महर्षि दयानन्द के महान कार्यों के कारण ही उनके अनुयायी बने हैं अन्यथा अन्यों की तरह हम भी किसी अन्य गुरु व नेता के अनुयायी बन सकते थे। हमें इस बात का भी गौरव है कि हमने अपने गुरु व आदर्श का चयन करने में सही निर्णय लिया है। आज आर्यसमाज के कारण देश में अन्धविश्वासों को दूर करने के साथ समाज सुधार सहित शिक्षा के क्षेत्र में जो उन्नति हुई है, उसके पीछे हमें मुख्यतः महर्षि दयानन्द, आर्यसमाज व इसके महान नेता स्वामी श्रद्धानन्द, गुरुदत्त विद्यार्थी, पं. लेखराम, महात्मा हंसराज, लाला लाजपत राय, महाशय राजपाल, पं. चमूपति, श्यामजी कृष्ण वर्मा आदि अनेक महान् युगपुरुष दृष्टिगोचर होते हैं।

सृष्टि की उत्पत्ति के कुछ समय बाद से लोग तिब्बत से आव्रजन कर संसार के विभिन्न भागों में जाकर बसते रहे। समयान्तर पर वेदोंएवं वैदिक शास्त्रों के आधार पर अनेक मनुष्य समूहों ने अपने अपने देश भी संसार में स्थापित कर लिये। समय के साथ कुछ देशों में वैदिक शिक्षाओं के प्रचार प्रसार से शान्ति रही तो कहीं राक्षसीय व शैतान के गुणों वाले मनुष्यों ने अपने इर्द-गिर्द सहित पडोसी देशों में अशान्ति उत्पन्न करना आरम्भ किया जिससे युद्ध की सी स्थिति आयी और उनमें युद्ध भी हुए। हो सकता है कि सुदूर अतीत में किसी राष्ट्र ने दूसरे को जीत कर अपने राज्य में सम्मिलित भी किया होगा। अतः देश के अन्दर सामाजिक अपराधों के लिए रक्षक-पुलिस व बाह्य शत्रुओं से रक्षा के लिए सेना की आवश्यकता आरम्भ से ही रही है। दशहरे के पर्व में देश की अखण्डता व एकता की रक्षा के लिए पुलिस व सुरक्षा बलों सहित सेना की आवश्यकता सिद्ध होती है। आज हमारा देश दो ओर से साम्राज्यवादी प्रवृत्ति की मानसिकता वाले दानव प्रवृत्ति के शत्रु देशों से घिरा हुआ है। अन्य कब शत्रुता आरम्भ कर देंगे, कहा नहीं जा सकता। अतः राष्ट्र को पराजय और विघटन से बचाना भी हमारे पुरोहितों, विद्वानों, राज्याधिकारियों व सेना का कर्म और धर्म है। पुरोहित पण्डित जी का नाम नहीं है। पुरोहित राष्ट्र के सर्वाधिक हितकारी पुरुषों को कहते हैं। इसमें प्रधानमंत्री सहित सेनाध्यक्ष, सेना व देशभक्त नागरिक सम्मिलित हैं। यह देश के लिए सन्तोष की बात है कि केन्द्र में इस समय एक सशक्त, देशभक्त, धर्म व संस्कृति का प्रेमी, दुष्टों व राष्ट्र के शत्रुओं के लिए भय के प्रतीक श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधान मंत्री के पद पर हैं। सारा देश और युवापीढ़ी उनके नेतृत्व में विश्वास रखते हुए सभी आन्तरिक व बाह्य समस्याओं में सफलता की कामना करते हुए उनसे आशा व अपेक्षायें रखती हैं। मोदी जी ने 2-3 वर्ष की अल्पावधि में ही अनेक ऐतिहासिक महत्व के अनेक देशहितकारी अपूर्व कार्य किये हैं व कर रहे हैं। यह कार्य जारी रहने चाहिये। रावण के नाश व उसका पर्व मनायें जाने के पीछे भी यही भावना है कि हमें देशवासियों में से आसुरी विचारों को दूर कर आसुरी प्रवृत्ति के शत्रुओं का समूल विनाश करने का चिन्तन व उपाय करना है। यही हमें दशहरे का सन्देश व महत्व विदित ब होता है।

किसी को पता नहीं कि कब व क्यों इस पर्व में रावण के पुतले के दहन का प्रचलन हुआ। आज बहुत से अपरिपक्व बुद्धि के लोग केवल रावण का पुतला जला देने को ही दशहरा मनाना मानते हैं। यह विचार अपरिपक्वता के सूचक ही हैं। आज हमें इस पर्व को उचित स्वरूप देना चाहिये। पुतला जलाने के स्थान पर 10 दिनों तक रामायण, महाभारत, देश के वीरों की गाथाओं की कथायें देश भर में व टीवी पर हों और साथ ही पूर्व में भारत के पाकिस्तान व चीन से हुए युद्धों का विद्वान अपने व्याख्यानों व प्रवचनों में उल्लेख कर देशवासियों को संस्कारित करें। इस दिन देश की कमजोरियों को दूर कर उसे सशक्त बनाने के उपायों पर विचार भी होना चाहिये। दशहरे के दिन देश के प्रधान मंत्री देश को सम्बोधित करें और देश के आन्तरिक व बाह्य शत्रुओं की कुत्सित योजनाओं व देश की शत्रुओं पर विजय की तैयारियों से जनता को अवगत करायें। नागरिकों को किन कर्तव्यों को पूरा कर देश की रक्षा में सहयोग करना है इसे भी उनके द्वारा अवगत कराया जाना चाहिये। सौभाग्य से प्रधानमंत्री जी ऐसा ही कुछ लखनऊ में करने जा रहे हैं जिससे अनेक विपक्षियों में खलबली मच गई है। जो लोग देश विरोधी कार्य सहित अनावश्यक व अनुचित बयानबाजी करते हैं, वह किसी भी राजनीतिक दल के हों, उन पर प्रतिबन्ध होने के साथ कड़े दण्ड का प्राविधान होना चाहिये और उसका निपटारा शीघ्रतम होना चाहिये जिससे हमारा राष्ट्र विश्व का सबलतम व अविजेय राष्ट्र बन सके। परिवारों में इस दिन वृहत यज्ञों का आयोजन कर राम, कृष्ण, हनुमान, अर्जुन, दयानन्द व सेना की गौरवगाथा का कथन, व्याख्यान व श्रवण किया जाना भी उचित होगा। इन्हीं शब्दों के साथ लेख को विराम देते हुए हम देशवासियों को दशहरे की शुभकामनायें देते हैं। हमने लीक से हटकर लिखा है, कुछ को प्रिय व किन्हीं को नहीं हो सकता है। ओ३म् शम्।

-196 चुक्खूवाला-2, देहरादून-248001, फोनः 09412985121

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा जन्तर-मन्तर पर आयोजित पाकिस्तान के विरूद्ध प्रदर्शन की 25 सितम्बर 2016 की राष्ट्रवादी समाचार पत्रों की कटिंग

युवा नेता वेदप्रकाश आर्य, शिशुपाल आर्य व नकुलदेव आर्य का अभिनन्दन

परिषद् के 38 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर आर्य समाज, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में कमशः श्री वेदप्रकाश आर्य, श्री शिशुपाल आर्य व श्री नकुलदेव आर्य (उड़ीसा) का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,श्री महेन्द्र भाई व श्री ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मैजिस्ट्रेट,दिल्ली)।

श्री सुरेश आर्य (गाजियाबाद) व श्री श्यामलाल आर्य (बागेश्वर) का अभिनन्दन

परिषद् के 38 वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर आर्य समाज, राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में कमशः श्री सुरेश आर्य (मंत्री, आर्य समाज, वृन्दावन गार्डन) व श्री श्यामलाल आर्य (बागेश्वर,उतराखण्ड) का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी,श्री महेन्द्र भाई व श्री ओम सपरा (मैट्रो पोलटेन मैजिस्ट्रेट,दिल्ली)।

शिव सेना नेता जयभगवान गोयल व परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य का अभिनन्दन

राष्ट्रवादी शिव सेना प्रमुख श्री जयभगवान गोयल के जन्मोत्सव पर बधाई देते परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य व प्रदेश संचालक श्री रामकुमार सिंह आर्य। द्वितीय चित्र–रानी बाग दिल्ली की श्री नागरिक रामलीला कमेटी द्वारा डा.अनिल आर्य का अभिनन्दन किया गया, साथ में प्रधान श्री मदन खुराना, सुरेश आर्य व डा.अनिल अवस्थी आदि।

आर्य नेता डा. ओमप्रकाश मान को श्रद्धाजंलि व महावीरसिंह आर्य का अभिनन्दन

रविवार, 9 अक्तूबर 2016, आर्य नेता डा. ओमप्रकाश मान की श्रद्धाजंलि सभा आर्य समाज, पश्चिमी शालीमार बाग,दिल्ली में सम्पन्न हुई। मंच पर बायें से डा. अनिल आर्य, ओम सपरा,आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, स्वामी अग्निवेश, स्वामी आर्यवेश, डा. धर्मपाल आर्य, व संयोजक आचार्य सत्यवीर शर्मा। पूर्व सांसद श्री सज्जन कुमार, सांसद प्रवेश वर्मा, पूर्व मन्त्री श्री मंगतराम सिंघल, पार्षद ममता नागपाल, भूपेन्द्र मोहन भण्डारी, आर.एस.तोमर, जोगेन्द्र मान आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। सुपुत्र अमित मान ने आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र–परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन पर आर्य समाज मोती बाग, दिल्ली के प्रधान श्री महावीरसिंह आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व महेन्द्र भाई।

मंगोलपुरी व किशन गंज, दिल्ली में युवा संस्कार अभियान यज्ञ सम्पन्न

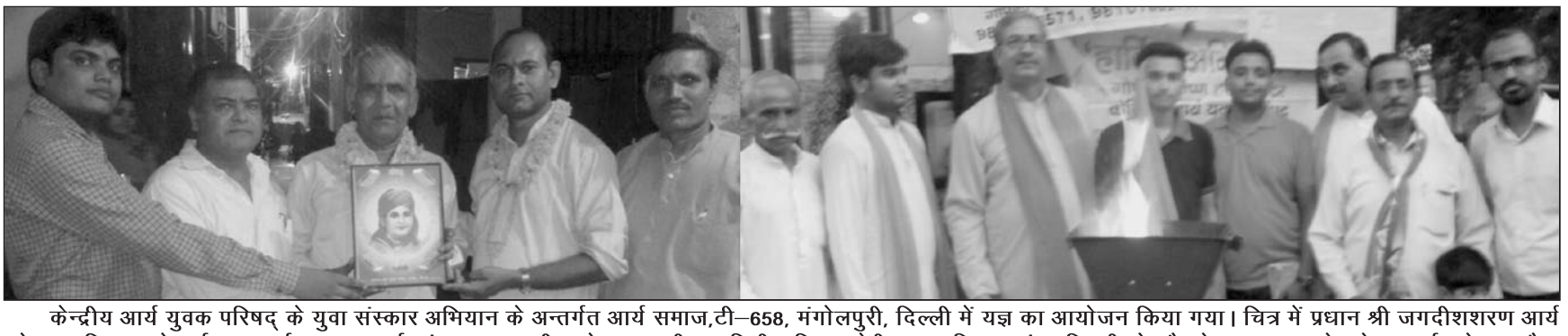

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के युवा संस्कार अभियान के अन्तर्गत आर्य समाज,टी–658, मंगोलपुरी, दिल्ली में यज्ञ का आयोजन किया गया। चित्र में प्रधान श्री जगदीशशरण आर्य को सम्मानित करते धर्मपाल आर्य, अरूण आर्य, नंदलाल शास्त्री, सुरेन्द्र शास्त्री व द्वितीय चित्र–डोरीवालान किशन गंज, दिल्ली के चौराहे पर यज्ञ करते महेन्द्र भाई, गोपाल जैन, शिवम शास्त्री,रामकुमार सिंह आदि।

सैनिक विहार, सरस्वती विहार में सम्पर्क व नन्दग्राम में राष्ट्र रक्षा यज्ञ

आर्य समाज, सैनिक विहार, दिल्ली में सम्बोधित करते डा.अनिल आर्य, साथ में श्री सुनील गुप्ता। माता कृष्णा सपरा, सुदेश खुराना, राजेन्द्र गाबा, सुशील नागिया आदि भी उपस्थित थे। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सरस्वती विहार, दिल्ली में सम्बोधित करते डा.अनिल आर्य, मंच पर आचार्य सुभाष जी। श्री ओमप्रकाश मनचन्दा,नंदकिशोर गुप्ता,अरूण आर्य आदि भी उपस्थित थे। सौरभ गुप्ता के निर्देशन में प्रदर्शन का दृश्य।

अपीलः यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित।

– डा. अनिल आर्य, मो.09810117464

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. परोपकारिणी सभा अजमेर के प्रधान डा. धर्मवीर आर्य का निधन हो गया, जिससे आर्य समाज की महती क्षति हुई है।
2. आर्य समाज, आदर्श नगर, दिल्ली के पूर्व प्रधान श्री महावीर बत्रा का निधन हो गया।
3. श्री परसराम ठाकुर व उनके दामाद श्री रविन्द्रसिंह बबलु (समधी श्री सुरेन्द्र कोहली, आजादपुर मण्डी, दिल्ली) का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970